भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4181

20 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

बिहार के आयुष अस्पताल

4181. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि बिहार के विभिन्न जिलों में आयुष अस्पताल लम्बे समय से लंबित हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार ने राज्यों को विशेषकर बिहार के गोपालगंज जिले में आयुष अस्पतालों को पूरा करने के लिए प्रस्तावित राशि जारी नहीं की है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या यह सच है कि उक्त जिले में आयुष अस्पताल के निर्माण हेतु प्रस्तावित धनराशि मंत्रालय के पास लंबित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(घ) क्या यह सच है कि मंत्रालय ने आयुष अस्पताल के निर्माण हेतु यथाशीघ्र धनराशि संवितरित करने के लिए कोई बड़ा कदम नहीं उठाया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, गोपालगंज सहित बिहार के विभिन्न जिलों में आयुष अस्पतालों की स्थापना की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की है। हालांकि, आयुष मंत्रालय राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को कार्यान्वित कर रहा है तथा 50/30/10 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है और तदनुसार एनएएम दिशानिर्देश के प्रावधान के अनुसार बिहार सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

बिहार राज्य सरकार से वित्तीय वर्ष 2015-16 के एसएएपी के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, पटना जिले में 50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पताल की एक इकाई के लिए 900.00 लाख रुपये की धनराशि अनुमोदित की गई थी और राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, उन्होंने 853.20 लाख रुपये व्यय किए हैं।

इसके अलावा, वर्ष 2023-24 के दौरान बिहार राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत एसएएपी को विभिन्न गतिविधियों के लिए 7743.746 लाख रुपये की राशि अनुमोदित की गई है, जिसमें प्रत्येक इकाई के लिए 500.00 लाख रुपये की राशि के साथ 3 इकाइयों की स्थापना शामिल है। इसके अंतर्गत

गोपालगंज, दरभंगा और खगड़िया जिलों में से प्रत्येक जिले में एक-एक 50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पताल की स्थापना की जानी है। हालाँकि, बिहार राज्य सरकार को केवल 1161.06 लाख रुपये (एसएएपी की कुल स्वीकृत राशि का 25% केंद्रीय हिस्सा) की एक किस्त जारी की जा सकी और बाद की किस्तें व्यय विभाग के जारी दिशा-निर्देशों में इंगित अनुदान जारी करने की पूर्व शर्तों को पूरा न करने के कारण जारी नहीं की जा सकीं। चूंकि योजना का कार्यान्वयन राज्य सरकार के कार्य क्षेत्र में आता है, तदनुसार, जारी अनुदान का उपयोग उनके द्वारा अपनी आवश्यकता और अपेक्षा के अनुसार किया जा रहा है और जैसा कि बिहार राज्य सरकार ने सूचित किया है, उनके द्वारा गोपालगंज, दरभंगा और खगड़िया के अस्पतालों को अब तक कोई धनराशि आवंटित नहीं की गई है।

****